युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अक्टुबर, 2012 के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अक्टुबर मास का चार्ट:

लक्ष्य – व्यर्थ से मुक्त, समर्थ स्थिति

इस संसार में हम सर्व श्रेष्ठ आत्माएं है, जो भगवान की नज़रों में है। विशेष कार्य अर्थ हमारा इस धरा पर अवतरण हुआ है। संसार का परिवर्तन हम पर आधारित है। हमारे हर संकल्प के प्रकम्पन इस संसार में प्रवाहित होते हैं। अत: हमें अपने हर संकल्प, बोल और कर्म को समर्थ बनाना होगा। हम केवल अपने लिए ही नहीं अपितु सारे संसार के लिए जिम्मेवार है। हम पूर्वज है, संसार के उद्धारक है।

तो आओ, हम अपने संकल्प, बोल, कर्म, संबंध-सम्पर्क और समय को समर्थ बनाकर अपने कर्तव्य का पालन करें और परमात्मा के कार्य में सहभागी बनें।

विधि :

सप्ताह	**दिव्य दर्पण की समर्थ स्थिति**
प्रथम	कर्म
दूसरा	बोल
तीसरा	संकल्प
चौथा	समय

मास के 4 सप्ताह में यह पुरुषार्थ करना है जिसमें पहले दिन उस पर चिन्तन करना है और कम से कम 15 लाईन्स उस पर लिखनी है। फिर 5 दिन उसी प्वाइंट को चेक करना है और स्वयं में परिवर्तन लाना है। सातवें दिन उस पुरुषार्थ का अनुभव लिखना है।

फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी 9.समर्थ स्थिति - 80%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. हीयर नो ईविल, सी नो ईविल, टोक नो ईविल...।
2. हर संकल्प, बोल और कर्म करने से पूर्व स्वयं से पूछेंगे कि क्या यह ब्रह्मा बाबा समान है?

❖ अभ्यास: हर परीक्षा में **पास** होना है, हर परिस्थिति को **पास** करना है और बाबा के **पास** रहना है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा परम पूज्य हूँ।	16. मैं आत्मा मायाजीत हूँ।
2. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।	17. मैं आत्मा मनजीते जगतजीत हूँ।
3. मैं आत्मा आधारमूर्त हूँ।	18. मैं आत्मा मर्यादा पुरुषोत्तम हूँ।
4. मैं आत्मा उद्धारमूर्त हूँ।	19. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
5. मैं आत्मा कल्प वृक्ष के तने में हूँ।	20. मैं आत्मा कर्मेन्द्रियजीत हूँ।
6. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।	21. मैं आत्मा करूणा का अवतार हूँ।
7. मैं आत्मा विश्व की स्टेज पर हूँ।	22. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।
8. मैं आत्मा वरदानी हूँ।	23. मैं आत्मा परमात्मा राम की सच्ची सीता हूँ।
9. मैं आत्मा महादानी हूँ।	24. मैं आत्मा नॉलेजफुल हूँ।
10. मैं आत्मा महात्मा हूँ।	25. मैं आत्मा स्वदर्शन चक्रधारी हूँ।
11. मैं आत्मा सर्व श्रेष्ठ हूँ।	26. मैं आत्मा त्रिकालदर्शी हूँ।
12. मैं आत्मा पदमापदम् भाग्यशाली हूँ।	27. मैं आत्मा शान्तिदेवा हूँ।
13. मैं आत्मा मा. सर्वशक्तिवान हूँ।	28. मैं आत्मा प्रेम की मूर्ति हूँ।
14. मैं आत्मा विघ्न विनाशक हूँ।	29 मैं आत्मा विश्वरक्षक हूँ।
15. मैं आत्मा प्रकृतिजीत हूँ।	30. मैं आत्मा यज्ञरक्षक हूँ।
	31. मैं आत्मा समर्थ हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ **सेन्टर का नाम:**_____ DiDar No:_____

गुड मॉर्निंग-90% **अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80% **ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90% **नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75% **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
समर्थ स्थिति -80% **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org